16-09-2021

हिन्दी व्याख्यान में छात्र कुमार आकाश प्रथम

प्रतिथभागी को प्रमाणपत्र देते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन।

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में चल रहे हिन्दी पखवाड़े का समापन संस्थान के प्रेक्षागार में हुआ। इस मौके पर पखवाड़े के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी और दैनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने पर चर्चा की गयी। निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन ने इस अवसर पर कहा कि अधिकांश चीनी मिलें एवं डिस्टलरी ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जहां हिन्दी भाषी ही काम करते हैं। इसलिये आवश्यक है कि उद्योग में प्रचलित विभिन्न तकनीकी शब्दों का हिन्दी रूपांतरण किया जाये। इस मौके पर पखवाड़े के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। छात्रों में हिन्दी व्याख्यान में कुमार आकाश प्रथम और अमित कुमार द्वितीय रहे। कर्मचारियों के लिये इसे स्पर्धा में अमरेश प्रताप सिंह प्रथम तथा रमाकांत द्वितीय रहे। कर्मचारियों की टंकण स्पर्धा में उमाशंकर प्रथम तथा अभिषेक सिंह द्वितीय रहे। कर्मचारियों की निबंध प्रतियोगिता में आशुतोष प्रताप सिंह प्रथम तथा रंजन कुमार द्वितीय रहे। एमटीएस के लिये निबंध प्रतियोगिता में मनीष कुमार सिंह प्रथम तथा सुनील तिवारी द्वितीय रहे।

चीनी उद्योग में आसान हिंदी का प्रयोग करें

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में बुधवार को हिंदी पखवाड़े का समापन हो गया। इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि ज्यादातर चीनी मिलें और डिस्टलरी ग्रामीणों इलाकों में हैं। वहां ग्रामीण अंचलों से संबंधित हिंदी भाषा लोग काम करते हैं। उद्योग से संबंधित तकनीकी शब्दों का आसान हिंदी में रुपांतरण किया जाए जिससे भाषा दुरुह न लगे। हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मानित किया गया। हिंदी व्याख्यान में अमरेश प्रताप सिंह प्रथम, हिंदी टंकण में उमाशंकर प्रथम, अलग-अलग हिंदी निबंध प्रतियोगिता में मनीष कुमार सिंह और आशुतोष प्रताप सिंह प्रथम रहे। छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित हिंदी व्याख्यान प्रतियोगिता में कुमार आकाश प्रथम रहे। (संवाद)